ग्रीष्मकालीन यात्रा सीजन को देवभूमि तैयार

काशीपुर चैती मेले की धूम

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 45 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 14 अप्रैल 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

चारधाम यात्रा पूर्णागिरी मेला

हिमनगरी, सरोवरनगरी को रुख

सुरम्यनगरी, धर्मनगरी भी ठसाठस

कार्यालय प्रतिनिधि

देवभूमि उत्तराखण्ड ग्रीष्मकालीन यात्रा सीजन को तैयार है। इस बार भीषण गर्मी को देखते हुए पर्यटकों ने पहाड़ों का रुख कर लिया है। धार्मिक यात्राओं के साथ ही पर्यटन स्थलों की सैर को आने वाले यात्री आने लगे हैं। चारधाम यात्रा के बढ़े आयोजन का उत्साह तो है ही, पूर्णागिरी मेले के लिये टनकपुर से लेकर धाम तक लगातार यात्रियों की भरमार दिखाई दे रही है। काशीपुर में चैती मेले में अथाह भीड़ जुटी हुई है। इस प्राचीन मेले में धार्मिक अनुष्ठान के अलावा दूर-दराज के मैदानी इलाकों से भक्तों की आवत जारी है। चैत्र मास के अवसर पर हाट कालिका, कोटगाड़ी देवी, जागनाथ, बागनाथ, चितई, घोड़ाखाल गोलज्यू, गर्जिया मन्दिर रामनगर, चम्पावत गोलज्यू, बालेश्वर सहित देवालयों में भक्तों का नित आना जारी है। धर्म नगरी हरिद्वार में यात्रियों की भीड़ जुटने लगी है और यही दबाव ऋषिकेश तक है। घुमक्कड़ और श्रद्धालुओं का रुख ऊंपर्वत, आदि कैलास की ओर भी है। यहाँ यात्रियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। ग्रीष्मकालीन पर्यटन को देखते हुए हिमनगरी मुनस्यारी का आकर्षण भी बना हुआ है। सरोवर नगरी नैनीताल सहित भीमताल, नौकुचियाताल, सातताल भी पर्यटकों की घुमाई हो रही है। सुरम्य नगरी रानीखेत, कौसानी, चकौड़ी का रुख भी दिखाई दे रहा है। पहाड़ों की रानी मसूरी का आकर्षण बराबर बना हुआ है। टिहरी झील क्षेत्र को भी पर्यटन के लिहाज से तैयार रखा गया है। उत्तरकाशी, चमोली के दूरस्थ तक साहसिक पर्यटकों को देखा जा सकता है।

चारधाम यात्रा को लेकर तीर्थयात्रियों में जबरदस्त उत्साह

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

भारत के पहाड़ी राज्यों में से एक उत्तराखण्ड देवताओं की भूमि के नाम से जानी जाती है। दरअसल यहाँ कई सारे देवताओं का मन्दिर भी है, जिसके चलते इसे देवभूमि भी कहा जाता है। घूमने के साथ-साथ लोग यहाँ के मन्दिरों में भी खूब जाते हैं। उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा सबसे ज्यादा चर्चित है। चारधामों में- यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ है। चारधाम यात्रा 2025 के लिए तीर्थयात्रियों में अपार उत्साह नजर आ रहा है। ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल खुलने के केवल पाँच दिनों में ही सात लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने यात्रा के लिए पंजीकरण करा लिया था। प्रदेश सरकार भीड़ प्रबन्धन और अन्य सुविधाओं के लिए सभी स्तरों पर तैयारियों में लगी हुई है। इस बार चारधाम यात्रा के प्रति श्रद्धालुओं में अत्यधिक उत्साह और जोश नजर आ रहा है। 2024 की तुलना में इस वर्ष चारधाम यात्रा दस दिन पहले शुरू हो रही है। पिछले साल यात्र 10 मई से शुरू हुई थी, जबकि इस बार यह 30 अप्रैल से शुरू हो चुकी है। पिछले साल प्राकृतिक आपदाओं और कम दिनों यात्रा चलने के बावजूद 48,04,215 तीर्थयात्री चारधाम यात्रा पर पहुँचे थे, जबकि 2023 में रिकार्ड 56,18,497 श्रद्धालुओं ने यात्रा की थी। इस बार ऑनलाइन पंजीकरण की संख्या को देखते हुए श्रद्धालुओं की संख्या एक नया रिकार्ड बनाने की सम्भावना है। इस बार चारधाम यात्रा के लिए सबसे पहले गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल को खुले। उसके बाद 02 मई को केदारनाथ धाम के और 4 मई को बदरीनाथ धाम के कपाट भक्तों के लिए खोले जाएंगे। राज्य प्रशासन द्वारा चारधाम यात्रा के लिए सुरक्षा और भीड़ प्रबन्धन के लिए विशेष प्रबन्ध किए गये हैं। प्रशासन ने यात्रियों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नम्बर भी जारी किए हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में तीर्थयात्री मदद ले सकें। श्रद्धालु वेबसाइट और मोबाइल एप के माध्यम से अपनी यात्रा के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। प्रमुख स्थानों पर चिकित्सा कैंप, डाक्टर और एम्बुलेंस सेवाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। सम्वेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे और पुलिस बल की तैनाती की गई है। चारधाम यात्रा करने के इच्छुक श्रदालु आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। ऐसे में रोजाना जो भी रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं, उसकी प्रशासन की ओर से प्रॉपर मानिटरिंग भी की जा रही है। इस बार यात्रियों के रजिस्ट्रेशन में मोड आफ ट्रांसपोर्टेशन पर भी जोर दिया गया है ताकि प्रशासन को ये जानकारी हो कि यात्री किस वाहन से यात्रा पर आ रहे हैं। चारधाम यात्रा को बेहतर ढंग से संचालित लिए जाने को लेकर पूरे चारधाम यात्रा मार्ग को 10-10 किलोमीटर क्षेत्र के सेक्टर में बांटा गया है। जहाँ पर मोबाइल पुलिस टीम लगातार गश्त करती रहेगी। अगर यात्रियों को किसी भी तरह की कोई दिकक्त या जाम जैसी स्थिति बनती है, तो अपने स्तर से या फिर उच्च अधिकारियों को सूचित कर उनके निर्देश पर कार्रवाई करेगी। चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर 5 अप्रैल को ऋषिकेश में बैठक भी हुई। बैठक के दौरान पहले दिए गए निर्देशों का रिव्यू किया गया। वहीं चारधाम यात्रा की तैयारी के सवाल पर आपदा ने बताया कि सीएम धामी की अध्यक्षता में हाल ही में बैठक की गई थी जिसमें सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि विभागों की ओर से व्यवस्थाएं चाक चौबन्द कर ली जाए। जो कमियां हैं, उनको समय रहते दूर कर लिया जाए। साथ ही सीएम ने ये भी निर्देश दिए हैं कि विभागों की ओर से पूर्व में जो गलतियां हुई थी, वो गलतियां इस यात्रा के दौरान न हों, इसका खास ख्याल रखें। आपदा प्रबन्धन सचिव ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों समेत जहाँ भी लैंडस्लाइड होने की सम्भावना है, वहाँ पर मैन पावर और मशीनें तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे में आपदा प्रबन्धन विभाग का प्रयास रहेगा कि अगर कहीं रास्ता बाधित होता है तो तत्काल प्रभाव से उसे खोला जा सके। हमारी प्राथमिकता यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखना है. सभी सम्बन्धित विभागों को निर्देश दे दिए गए हैं कि बद्री-केदार यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। इस बार चार धाम यात्रा को पहले से बेहतर बनाने के लिए

शेष पृष्ठ 2 पर

ऊँपर्वत, आदिकैलास यात्रियों की संख्या में बढ़ोत्तरी

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

ठोक-बजाकर पठन-पाठन का ढोंग करने से क्या होगा?

उत्तराखण्ड की उच्चशिक्षा में इन दिनों गजब का मामला प्रकाश में आ रहा है। जिसमें छात्र-छात्राओं को कक्षा पढ़ाते हुए शिक्षक ने मोबाइल से जीपीएस कैमरा एप से फोटो भी लेनी है ताकि पता चल सके कितने विद्यार्थी कक्षा में और कितने बजे थे। सचिव उच्चशिक्षा के निर्देशानुसार जिन छात्र-छात्राओं की उपस्थिति 75 प्रतिशत नहीं होगी उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी। अब जबकि कालेजों में बैक परीक्षाएं चल रही हैं और मुख्य परीक्षा आने वाली हैं, कक्षा की फोटो खींचने जैसे आदेश बेतुके कहे जाएंगे। बहुत सीधी सी बात है जब पढ़ाई का वातावरण ही दूषित हो चुका है तो ठोक बजाकर पठन-पाठन का ढोंग करने से क्या होगा?

सबको पता है कि उत्तराखण्ड की उच्च शिक्षा का हाल बुरा हो चुका है। परीक्षाएं और परीक्षाफल समय से नहीं आ रहे हैं, इसके लिये छात्र बराबर हड़ताल करते रहे हैं। छात्र संघ चुनाव को लेकर धुंधमारी मची रहती है। कालेजों में बात-बात पर उधमबाजी होने लगी है। शिक्षण कार्य के अलावा बहुत से आयोजन अनावश्यक या बजट ठिकाने लगाने जैसे हो चुके हैं। फोटो खींचकर सम्बन्धित सूचना भेजने के अलावा महाविद्यालय प्रशासन के पास कुछ काम नहीं रह गया है। कतिपय कालेजों में कालेज प्रशासन की मनमानी भी सर चढ़कर बोल रही है। ऐसे में कैसे मान लिया जाए कि पठन-पाठन का सुधार होगा। विश्वविद्यालय परीक्षा सम्बन्धी और परीक्षाफल सम्बन्धी कार्यों पर ढीठ बन चुके हैं। विद्यार्थी अपने ही परीक्षाफल व प्रमाण पत्रों में सुधार के लिये भटकते रहते हैं।

75 प्रतिशत उपस्थिति होनी ही चाहिये लेकिन वर्तमान के हालातों में यह सम्भव है? इस सच को इसलिये छुपाया जाता है ताकि सबकी दाल-रोटी चलती रहे और धन ठिकाने लगाने वालों के कारनामे उजागर न हों। यदि शासन-प्रशासन सचमुच उच्चशिक्षा में सुधार चाहता है तो उसे अभी से कमर कस लेनी चाहिये और जुलाई से शुरू होने वाले सत्र को जून तक एकदम दृढ़ता के साथ संचालित करवाने का प्रबन्ध करना होगा। इसके लिये उसे न तो छात्र नेताओं का दबाव देखना चाहिये और न ही नेताओं का। आम छात्र- छात्राओं को भी लगना चाहिये कि कालेज जाकर वह अपने लक्ष्य की ओर हैं, इस पठन पाठन से उनको सचमुच लाभ हो रहा है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

पूर्व नरेश पर अशान्ति फैलाने का आरोप

काठमाण्डू। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी.ओली ने पूर्व नरेश ज्ञानेन्द्र शाह पर सामाजिक सौहार्द्र में खलल डालने और सामाजिक विभाजन पैदा करने की कोशिश का आरोप लगाया है। कहा पूर्व नरेश अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिये बैंक ऋण चुकाने से इन्कार करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर असन्तोष का वातावरण कर रहे हैं।

अन्तरिक्ष से अद्भुत दिखता है भारत : विलियम्स

न्यूयॉर्क। अन्तरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने कहा भारत अन्तरिक्ष से अद्भुत दिखता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वह अपने पिता की जन्मभूमि जाएंगे और लोगों के साथ अन्तरिक्ष खोज के बारे में अपने अपने अनुभव साझा करेंगी।

ताइवान के खिलाफ चीन की जंग जैसी तैयारी

बीजिंग। चीन ने ताइवान पर अपनी सम्प्रभुता का दावा करने के लियये उसके आसपास के क्षेत्रों में संयुक्त सैन्य अभयास किया जिसमें उसके कई बलों ने हिस्सा लिया। इस अभ्यास का मकसद ताइवान की उन ताकतों को कड़ी चेतावनी है जो स्वयं को स्वायत्त बताती हैं।

कांगो में तख्तापलट दोषियों को क्षमादान

किंशासास। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांग्रे (डीआसी) के राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी ने अमेरिकी मूल के कई तख्तापलट साजिशकर्ताओं को माफी दी है, जिन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी। अमेरिकी प्रान्त उटाह में जन्मे मार्सेल मालंगा और दो अन्य अमेरिकी नागरिकों को पिछले साल मौत की सजा सुनाई गई थी। अब इनकी सजा आजीवन कारावास में बदल दी गई है।

विमान यात्रियों के पुराने आभूषण जब्त न हों

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों को हिदायत दी है कि सफर के समय विमान यात्रियों के पहने आभूषण सहित उनके पुराने व निजी आभूषण हवाई अड्डों पर जब्त करके उन्हें बेवजह प्रताड़ित न किया जाए। अदालत 25 से अधिक ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

फसक

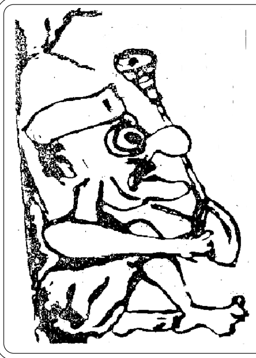

दाज्यू, पहले सतर्क करके भी नहीं मानने वाले ठैरे निवाड़ वाली खाट में खटमल हो ही जाते हैं बल

दाज्यू, आईआईटी रुड़की के सहयोग से आपदा प्रबन्धन विभाग ने भूकम्प को लेकर 'भूदेव' नाम का एप बनाया है जो भूकम्प से पहले सतर्क करेगा बल। दाज्यू, एप बनाओ चाहे कुछ भी बना लो क्या होगा? सब मनमानी है। पहले सतर्क करके भी नहीं मानने वाले ठैरे। देखा नहीं भूषण सिंह और गोबर ग्रोवर ने नाले के ऊपर मकान खड़ा कर दिया। बरसात में नुकसान के बाद मुआवजा मांग रहे हैं।

हल्द्वानी के मेयर महानगर के पास चौसला गाँव में डेमोग्राफी चेंज की साजिश बता रहे हैं। दाज्यू, एक व्यक्ति ने रामपुर, स्वार, टांडा और इसके आसपास के क्षेत्रों के अपने समुदाय के 68 लोगों को तीन सौ से लेकर नौ सौ वर्ग फुट के प्लाट बेचे हैं बल। सरकारी जमीन पर कब्जे की भी कही जा रही है। दाज्यू, मेयर साब को समझाओ कि निवाड़ वाली खाट में खटमल हो ही जाते हैं बल। शहर छोड़ो, अब तो गाँव में भी जमीनों की ऐसी-तैसी होने लगी है। डेमोग्राफी बदलाव को लेकर हिन्दूबादी संगठन के सदस्यों ने तहसील में हंगामा भी किया। इस बीच आईपीएल में सट्टा लगाने वाले पुलिस ने पकड़ लिये। दाज्यू, हमें खुशी हो रही है भौत सारे नेताओं को दायित्व मिल चुका है। अब चकाचक गाड़ी में झण्डा लगाकर झमाझम दौड़ होगी। रेनू अधिकारी, शान्ति मेहरा, श्यामनारायण पाण्डे, ऐश्वर्या रावत, सायरा बानो, रामचन्द्र गौड़, रजनी रावत, हेमराज, भूपेश उपाध्याय, अजय कोठियाल, वीरेन्द्र दत्त सहित कई हैं।

दाज्यू, प्रदेश में खनन को लेकर बहुत जोर चल रहा है बल। पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र के बयान कि मानकों के अनुरूप ही काम होना चाहिये, अब लालकुआ के पूर्व विधायक नवीन दुम्का कह रहे हैं- 'खनन और ओवरलोडिंग का कारोबार सीमा पार कर चुका है। खनन माफिया दिन रात नदियों से अवैध उपखनिज दोहन कर रहे हैं और यह सब जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे चल रहा है।' दाज्यू, सटर-पटर तो ही रही ठैरी।

दाज्यू, ब्रह्मलीन पायलट बाबा की शिष्या को अभद्र मैसेज कर धमकी मिली है बल। कनखल, हरिद्वार पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। बाबा के ब्रह्मलीन होने के बाद दो पक्षों में विवाद बना हुआ है। दाज्यू, हमारी समझ नहीं आ रहा है कि ये जोगी-जंगम जनम के मेले में क्यों उलझ जाते हैं? आश्रम, उसमें टायल-ट्यूब, गीरज, मीटर, हीटर.........क्या है सब? दुनिया को फीका मानने वाले दुनियादारी के झमले में क्यों रहें? कलजुग में बाबागिरी भी कठिन है। ताकतबर बाबा के चेले चिमटे से सिकाई कर देते हैं बल।

हल्द्वानी में ऑनलाइन ट्रेनिंग के नाम पर डेढ़ लाख की साइबर ठगी का पता चला है। दाज्यू, हम पहले ही कह रहे हैं कि ट्रेनिंग के नाम पर बड़ा घोटाला हो रहा है। एक ठगी तो ठग कर ही रहे हैं, दूसरा ऐसे आयोजनों के नाम पर कागज भरने वाले घपलत में हैं। किस किस को सतर्क करें? योजनाओं के नाम पर कई लोगों का चूल्हा चलने वाला ठैरा। धुंएं से किसकी आँख दुःख रही कौन देखने वाला है। प्रसाद समझ कर चट्टम-चट्टा।

चमोली में जिलाधिकारी संदीप तिवारी और जिला आबकारी अधिकारी दुर्गेश्वर कुमार त्रिपाठी के बीच तनातनी भी जोर की रही, दाज्यू। उसके बाद आबकारी अधिकारी को देहरादून में सम्बद्ध कर दिया गया और 15 दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। दाज्यू, गुत्थम-गुत्था सरकारी कामकाज में होते रहती है बल। अब तो हर बात पर लपट-झपट है। बिरजू मयाल का ही हाल देख लो। धुंआधार बोल रहा था लेकिन रपट गया। अनफिट है बल। वो तो भला हो रोशन रतूड़ी का जिसने बहुत ही उदारता दिखाते हुए बिरजू को समझाया कि दूसरों के उकसाने में मत आ। दाज्यू, पहले से सतर्क करके भी क्या होता है? जब चोट पटक लगी, उसके बाद ही बिरजू भी समझ रहा होगा। दाज्यू, चाहे जो भी हो अनफिट ने कई फिट कर दिये। अपना दुखड़ा कई ने सुनाया और 'हम तुम्हारे साथ हैं' जैसे नारे भी लगाए।

दाज्यू, हम तो कह रहे हैं जहाँ भी खटमल दिखाई दें गरम पानी डालकर उन्हें बाहर निकाला जाए, दीमक की दवाई हो, पेटदर्द का इलाज हो, बबासीर किसी को न हो। चैत-बैशाख सबकी भली करें। -तुम्हारा भुली झकरुवा

ग्रीष्मकालीन यात्रा.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

सरकार और प्रशासन हर सम्भव प्रयास कर रहा है। श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे यात्रा एक यादगार और सुखद अनुभव बन सके। चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह इसी से पता चलता है कि तीन दिन के भीतर 6 लाख से अधिक श्रद्धालु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा चुके थे। केदारनाथ धाम के लिए 1,95,709 और बद्रीनाथ धाम के लिए 1,85,377 श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया। वहीं गंगोत्री धाम के लिए 1,12,933 और यमुनोत्री धाम के लिए 1,09,824 श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके थे। हेमकुंड साहब के लिए 6525 श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया।

बताते चलें कि मुख्यमंत्री ने यात्रा तैयारी को लेकर वह दो हाई लेवल भी बैठकें भी की। जिसमें उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं बेहतर करने के निर्देश दिए हैं।

सीबीडीसी के तहत कैंची धाम संवरेगा

नैनीताल। चैलेंज बेस्ड डिवोशनल डेस्टिनेशन (सीबीडीसी) के तहत कैंची धाम को संवारने की तैयारी है। बताया गया है कि श्रद्धालुओं की अत्यधिक संख्या देखते हुए कैंची धाम में सुविधा बढ़ाई जानी है। लोनिवि ने धाम में मेडिटेशन सेन्टर, डिस्पेंसरी, पथवे, पुलिस चौकी निर्माण का प्रस्ताव पहले ही भेज दिया था। केन्द्र सरकार की ओर से प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद अब टेण्डर जारी हो चुके हैं। आने वाले समय में यहाँ नवनिर्माण दिखाई देगा।

उत्तराखण्ड बोर्ड रिजल्ट की तैयारी में जुटा

रामनगर। उत्तराखण्ड शिक्षा परिषद बोर्ड के रिजल्ट तैयारी में जुटा है। माना जा रहा है कि 30 अप्रेल से पूर्व परीक्षाफल घोषित हो जाएगा।

हाईस्कूल व इण्टर के दो लाख से अधिक छात्र-छात्राओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन इन दिनों जारी है। गढ़वाल में 16 और कुमाऊँ में 13 मूल्यांकन केन्द्रों में कापी जाँची जा रही हैं। उत्तराखण्ड बोर्ड की लिखित परीक्षाएं 11 मार्च को समाप्त हुई थीं। अब तक करीब 50 हजार कापियों को जाँचा जा चुका है। शिक्षा मंत्र धनसिंह रावत का कहना है कि पहले परीक्षाफल जून में घोषित होता था, अब कोशिश है इसे अप्रैल में घोषित कर दिया जाए।

नैनीताल में प्रतिबन्धित टैक्सी-बाइक रोक

नैनीताल। शहर में प्रतिबन्धित टैक्सी व बाइक पर रोक लगा दी गई है। शहर से बाहर संचालन के लिये टैक्सी बाइक चालकों को तल्लीताल धर्मशाला व मेट्रोपोल सड़क के नीचे की पार्किंग में वाहन पार्क करने होंगे। यह निर्ण पर्यटन सीजन को देखते हुए प्रशासन ने कारोबारियों के साथ बैठक कर लिया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सत्यकथा

सेठ जगत सिंह की सेठियत

जगत सिंह बृजवाल

औपनिवेशिक शासन से आँखिर भारत ने 15 अगस्त 1947 को निजात पा ही लिया था किन्तु आजादी के पन्द्रह वर्ष बीत जाने पर भारत पर चीन के आक्रमण तथा तिब्बत पर अधिपत्य जमा लेने के बाद सीमा प्रान्त क्षेत्र के निवासियों का सदियों का व्यापार झटके में समाप्त हो गया, उसी में जोहार घाटी में निवास करने वाले शौका जनजाति समुदाय का भी जीवन गति थम सी गई। जिसके कारण कयी गर्खा (जाति)समुदाय के लोगों का जीवन भी प्रभावित हो चला था। शौका जनजातियों के घुमक्ड़ी जीवन में स्थिरता आ गई, जो मौसम के अनुसार अपना प्रवास बदलते रहते थे। अब एक ही स्थान पर रहने के लिए मजबूर हो गए। अफरा-तफरी की स्थिति बन गई, जिनके व्यापार, व्यवसाय का सम्बन्ध हिमालय के वार-पार जन-जीवन से था, जीवन ठहर सा गया। अब लोग स्वयं अपने तरह जीवन जीने को मजबूर थे।

जोहारियों के गाँवों में भी लोगों की स्थिति दयनीय ही थी। जमीन बन्दोबस्त में 'जिसका जोत उसी का खेत' के तहत जीमदारों (जिन्हें खेतीबाड़ी का जिम्मा था) के पास चला गया था। बस अब ऊनी कारोबार, पशुपालन, मेहनत मजदूरी से लोग जीवन व्यतीत कर रहे थे। देश को गुलामी से बाहर आए कम ही समय हुआ था, देश में ग़रीबी, बेरोजगारी, कष्टमय जीवन जीने को लोग मजबूर थे, वही स्थिति शौकाओं के गाँवों की भी थी।

शौका बहुल गाँव में सेठ, सौकार (धनवान) व्यक्ति जिन्हें विरासत में धन-दौलत प्राप्त था इने-गिने ही थे। उन्हीं के पास छोटा-मोटा व्यापार, आर्थिक सम्पन्नता, प्रतिष्ठा भी थी, अन्य लोगों का जीवन अति कष्टमय, सुबह शाम का गुजारा करना भी मुश्किल था, परिवार भरा-भरा, शिक्षा का प्रचार प्रसार भी न थी।

सेठ जगत सिंह गाँव का धनी, प्रतिष्ठित व्यक्ति थे। जिनकी दो पत्नी, एक पुत्री तथा परिवार में धर्म भाई नैन सिंह भी रहता था। सेठ जी आदर्श चरित्रवान, मृदुभाषी, परोपकारी, सम्वेदनशील, सामाजिक, धार्मिक प्रवृत्ति के इन्सान थे (उन्हें चिन्ता थी तो केवल अपने उत्तराधिकारी पुत्र प्राप्ति की जिनके लिए, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान, सभी टोना-टुटका समय-समय करते रहते थे, किन्तु व्यक्ति जो सोचता, होता नहीं। वही सेठ जी के साथ भी हुआ। जीवन के अन्तिम समय मानसिक सन्तुलन भी खो बैठे, जो मृत्यु का कारण भी बना था।

सौकार (धनवान) जगत सिंह की सेठियत- गाँव के विशिष्ट व्यक्ति, धन-दौलत की चमक-दमक, गाँव का एक मात्र व्यापारी, बासमती चावल की महक पास-परोस तक आना, औरतों के पहने आभूषणों का आकर्षण, गरीबों के हितैषी, पूजा-पाठ, ज्ञान-ध्यान, गीता ग्रन्थ का नियमित अध्ययन, सरल व्यक्तित्व, धार्मिक प्रवृत्ति, सामाजिक व्यक्ति व बच्चों से प्रेम भाव आदि सेठ जी की 'सेठियत' ही थी।

सन् 1960-70 में गाँव के अधिकांश लोगों की माली हालत ठीक नही कही जा सकती हैं, जोहारियो के गाँव में मुख्यतया- ऊनी कारोबार, पशुपालन, मेहनत मजदूरी, आंशिक कृषि करके ही जीवन यापन करते थे, गाँव में खेती-बाड़ी सिर्फ दो ही जिमदार (सामान्य जाति) परिवार के पास ही अधिक थी। थोड़ी बहुत कुछ परिवार ही करते थे। कन्तु उनकी भी स्तिथि ठीक न था।

1967 में में आरक्षण आरक्षण मिलने पर यहाँ के युवाओं ने पढ़ाई लिखाई के पश्चात सरकारी नौकरी में जाना प्रारम्भ किया तभी स्थितियां बदलती गई।

सेठ जगत सिंह जी अपने घर में बने बरामदे में बैठकर कुछ लिखत-पढ़त का काम कर ही रहा था, तभी बड़ी पत्नी सोबली देबी ने आवाज लगाई। सोबली देवी- सेठ जी से- सुनिए! अगले महीने जौंलजीबी का मेला आने वाली है, तैयारी करनी पड़ेगी।

सेठ जी- 'ठीक है, हमारे पास सामान कितने है देख लेना।'

सोबली देबी- 'तीन दन, चार चुटका, छः पंखी, चार कोट के पट्टु,(ऊनी कपड़े) दो-तीन आसान भी हैं बहुत है एक, दो और तैयार हो रहा है।'

सेठ जी- सोबली! थोड़ा मड़ुवा का सत्तू व खजिया धान का खाजा (भूना चावल) भी तैयार कर देना, नास्ते में अच्छा रहता है।

सोबली देबी- 'मड़ुवा व खजिया धान बक्से में है कल परसों भूनकर तैयार करती हूँ, हो जाएगा।'

सेठ जी- सोबली! हमें दो आदमी सामान इधर-उधर करने के लिए भी चाहिए, आज से ही बात करनी पड़ेगी।

सोबली देबी- 'शेर सिंह व नैन सिंह जी मेरे ख्याल से अच्छा रहेगा, आप बताइए।'

सेठ जी- 'तुमने तो मेरी मुंह की बात कह दी, मैं भी यही सोच रहा था। घोड़े वाले तो सामान पहुँचाकर आ जायेंगे, उतने दिन वहाँ रूकना बेकार हुआ, फिर आ जायेंगे।'

सोबली देबी- 'तैयारी शुरू कर देते हैं। ठीक ही होगा।'

जौलजीबी का ऐतिहासिक व्यापारी मेला सदियों से गोरी-काली के संगम पर लगता है जहाँ दूर-दूर से क्रेता-बिक्रता आकर अपने सामाग्री का आदान-प्रदान नगद धनराशि या वस्तु विनिमय के माध्यम से करते थे। पशु मेला भी लगता था। जोहारियो के लिए बहुत महत्वपूर्ण मेला, यहाँ के व्यापारी अपनी-अपनी दुकानें सजाते थे, जिसकी आज यादें भर रह गई है।

मेले की तैयारी हमारे गाँव के लोग कैसे करते थे? हस्तशिल्प- ऊनी वस्त्रों का कारोबार, जोहार के हर परिवार में किया जाता था। मेले में वस्त्रों की बिक्री से नगद धन की लालसा लोगों में रहती थी। कई माह पूर्व से लोग मेले में अपने सामान बेचने हेतु तैयारी करने लगते थे। गाँव में घर-घर में ध्वाच-ध्वाच (लकड़ी का हत्था तथा उसमें लगे पाँच लोहे के पत्ते, पंजा जो 'ताना-बाना' को ठोंकने की आवाज है), कटम-कटम (थल्ल-चौड़ा लकड़ी के तख्त से बना यंत्र,'ताना-बाना' को ठोकने की आवाज), बच्चे से लेकर बुज़र्ग तक कूछ न कूछ ऊनी कारोबार में संलिप्त दिखाई देते थे, भरा परिवार, मेहनतकश लोग, अभावग्रस्त जिन्दगी, जहाँ सभी मिलजुल कर परिवार का सहयोग में योगदान देते हैं।'

सेठ जगत सिंह का नित्य कार्य सुबह प्रातः काल उठकर दूर निवृत्त होना, स्नान, ज्ञान-ध्यान पूजा पाठ के बाद अपने रोजमर्रा के कार्य में संलग्न हो जाना है, तभी बाहर से आवाज आती है।

धनुली देवी- 'सौरा, सौरा (ससुर जी) मेरा भी दो-तीन पंखी जौलजीबी मेले में बेचने हेतु ले जाने का कष्ट कर दीजिएगा।'

सेठ जी- 'दाम तय कर लेना'

धनुली देबी- 'क्या करूं? आप बेच दीजिए।'

सेठ जी- 'दाम तय ठीक रहता है, आपको भी अच्छा लगेगा।'

धनुली देवी- 'सौरा बस! 70 या80 रूपए तक बेच देना, हो गया।'

सेठ जी- 'ठीक है, कोशिश पूरी रहती है, नहीं बिकने पर ही वापस लाना पड़ता है। बहू!'

मेले जाने की तैयारी, छोटी पत्नी से कहती हैं- पानुली, 'नास्ता हेतु सत्तू व खाजा (भूना चावल) बना लिया है क्या?

पानुली देबी- जी, सब कुछ तैयार है।

शेर सिंह, सेठ जी के घर आकर कब चलना है, बता दीजिएगा, 'सेठजी।'

सेठ जी- 'शेरू, परसों सभी साथ चलेंगे, नेनू को भी बता देना' ठीक!

शेर सिंह- ठीक है,'सेठ जी अब मैं घर जाता हूँ।'

सेठ जी- अच्छा, ठीक है।

सेठ जगत सिंह जी अपने गाँव दुम्मर से अपने कारंवा के साथ जौलजीबी मेले के लिए चलते हैं गाँव के लोग घोड़े की हिनहिनाहट, खांकर (घंटियों) की खनखनाहट, पास-परोस के लोगों की शोर-शराबा, मेलार्थियों को दूर धार (अदृश्य पहाड़ के पार) तक जाते देखते हैं, प्रथम दिन छोरीबगर तक का लक्ष्य तथा दूसरे दिन मेले में पहुँच जाते हैं, सदियों से अपने पैतृक निर्धारित स्थान पर दुकान सजाते हैं, महिनों दिनों बिताने के पश्चात ही वापसी होती है, सामान बेचने के पश्चात कुछ आवश्यकता अनुसार खरीददारी- गुड, घी, कपड़े, जूता-चप्पल आदि घोड़े में रखकर घर पहुँचते हैं।

गाँव के मेहनतकश लोगो को सेठ जी के वापिस का इन्तजार भी रहता है। उन्हें अपने सामान बिकने से नगद धन की प्राप्ति की चाह, आनन्दानुभूति की हिलोरे दिल में उठने का आभास होता है, दूर धार से ही घोड़ों की गले में बधी घंटियों की खनखनाहट आवाज का आभास होता है, बच्चे एकदम सचेत हो जाते, तथा नजदीक पास आते देख सेठ जी के घर पर इकट्ठा हो जाते हैं, आशा जरूर एक टुकड़ा बाल मिठाई प्राप्त हो ही जायेगी।

दूसरे-तीसरे दिन से सेठ जी के बुलावे से लोग घर पर पहुँचते रहते हैं। कुछ के चहरे खिले हैं, तो कुछ उदास भी दिखते है। जिनका सामन बिक न सका था, सेठ जी अगले थल या बागेश्वर में बेचने का आश्वासन देते हैं।'

अब सेठ जी फुर्सत के कुछ क्षण प्राप्त हुए हैं आराम तथा भगवान भक्ति में लगा देना चाहते हैं, बहुत दिनों से 'गीता' का अध्ययन भी नहीं किया गया हं। तभी बाहर से एक आवाज आती है पोस्टमैन- सेठ जी..सैठ जी, नमस्ते! आपका पत्र आया है।'

सेठ जी- नमस्ते।'बैठो, चाय पी लीजिए।'

पोस्टमैन- 'ठीक है, चाचाजी।' यह लीजिए पत्र।

सेठ जी पत्र को लेकर बाहरी पता देखकर समझ जाते है कि मर्तोली के स्वामी जी का पत्र प्राप्त हुआ है।

सोबली- 'पत्र कहाँ से आया है?'

सेठ जी- स्वामी जी का पत्र है, लिखा है, मित्र जगत,अबके जब जोहार जाएंगे तो आपके घर पहुँचकर साथ चलेंगे' कैसा रहेगा?

सोबली- 'बहुत अच्छी बात, स्वामी जी के साथ जाकर कई बरस से छोड़ चुके घर की देख रेख भी हो जाएगी।'

समय बीतने के माह मई में स्वामी जी का संदेश पत्र सेठ जी को मिलता है- मित्र! जगत परसों आपके घर पहुँच रहे हैं। जोहार साथ-साथ चलेंगे। सेठ जी- 'स्वामी जी को देखते, आइए। आइए, निकट जाकर प्रणाम किया, उनके संग साथ में शिष्या राधा बहन का भी सत्कार करते है। 'सेठ जगत सिंह जी स्वामी जी के परम मित्र में से एक है।'

स्वामी जी- 'मित्र ठीक-ठाक, परिवार सहित कुशल मंगल से हो।'

सेठ जी- 'स्वामी जी, आपकी कृपा से सब ठीक-ठाक ही है।' जी, आप पहले हाथ-मुँह धो लिजिए। चाय बनने तक।

स्वामी जी तथा राधा बहन ने हाथ-मुंह धोकर, चाय-पानी ग्रहण किया। स्वामी जी थोड़ी देर आराम करने के पश्चात सेठ जी से गपशप करते हैं, तभी सेठ जी को कुछ पिछला खयाल आता है, तो वह स्वामी जी से कुछ मन की बात पूछने का अनुरोध कर कहते हैं- 'सोच रहा हूँ इस बार पुर्व्याल देवता के मन्दिर में भागवत कथा का आयोजन हो जाता।'

स्वामी जी- मुझे कुछ दिन पहले बता दीजिए अवश्य आ जाऊँगा।'

सेठ जी का जोहार से वापसी के बाद गर्मी के मौसम का आगमन होने पर अपने कुल पुरोहित स्व. बच्ची राम जोशी को भागवत कथा शुभमुहूर्त दिन बार निकालने के लिए सलाह मशविरा किया गया। आज भी मन्दिर के आंगन में निर्मित होम अग्निकुण्ड दिखाई देती है, अतीत की 'सेठ जी के सेठियत' की कहानी को बयां करती है।

सेठ जगत सिंह जी की सेठियत की कहानी को संक्षिप्तता में वर्णन के साथ नमन करते हुए श्रद्धांसुमन।

ज्योतिष की बातें- 224

14 अप्रैल 2025 को सूर्य अपनी उच्चराशि मेष में प्रवेश करेगा। वहाँ पर अन्य किसी भी ग्रह की दृष्टि अथवा युति नहीं होगी अतः सूर्य अत्यन्त बलवान रहेगा। सूर्य आत्मबल, शक्ति, स्फूर्ति, आरोग्य, शत्रुनाश, सम्मान, सफलता, धनलाभ, पिता, यश एवं कीर्ति, प्रशासन क्षमता, पदोन्नति आदि का प्रमुख कारक होता है। सूर्य चन्द्रमा से उपचय भावों अर्थात् तीसरे, छठवें, दसवें और ग्यारहवें स्थानों पर शुभफल प्रदान करता है। अतः अगले एक माह सूर्य अपने कारक विषयों में कुम्भ, वृश्चिक, कर्क व मिथुन राशि के जातकों को अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। शेष राशि के जातकों को भी सूर्य से सामान्य फल प्राप्त होते रहेंगे।

20 अप्रैल 2025 को सूर्य सायनमान से वृषभ राशि में प्रवेश करेगा अतः वातावरण में ग्रीष्म ऋतु का अनुभव होगा। जो लोग वर्ष भर त्रिफला चूर्ण का सेवन करते हैं उन्हें अगले दो माह थोड़ा गुड़ मिलाकर त्रिफला चूर्ण का सेवन करना चाहिए।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 115

धर्म परिवर्तन धोखे से?

धर्म परिवर्तन धोखे से ?

आजकल समाचार पत्रों में इस तरह के समाचार भी पढ़ने में आते हैं, जैसे कि धर्म परिवर्तन धोखे से करा दिया, लालच देकर लोगों को इसाई बना लिया, स्कूटी देकर लड़कियों को इसाई बना दिया गया, अच्छी शादी या नौकरी का लालच देकर ईसाई बना दिया, मारपीट करके जबरदस्ती किसी को मुसलमान बना लिया।

अब प्रश्न है उठना है कि इस प्रकार किसी का तथाकथित धर्मपरिवर्तन कर देने से क्या उसकी धार्मिक मान्यताएं बदल जाती हैं, क्या उसकी हनुमान जी के प्रति श्रद्धा अचानक खत्म हो जाती है, क्या उसका पुनर्जन्म से विश्वास उठ जाता है, क्या उसको धर्मग्रन्थ वेद-पुराणों अचानक ही किसी दिन मिथ्या लगने लगते हैं। क्या किसी के मुँह में जर्बदस्ती गोमांस ठूंस देने से उसकी गाय पर श्रद्धा खत्म हो जाती है। धोखा देने से, लालच देने से किसी की धार्मिक मान्यताएं कभी नहीं बदलती। इस प्रकार किसी का भी धर्मपरिवर्तन नहीं कराया जा सकता। हाँ, स्वार्थ में आकर लोग अपना नाम अवश्य बदल लेते हैं लेकिन मन से धर्म नहीं बदलता।

धर्मपरिवर्तन व्यक्ति तभी करता है जब उसे अपने धर्म में पाखण्ड के कारण दूसरे धर्म की बातें और उसकी नीतियां अच्छी लगने लगें। धार्मिक शास्त्रर्थ के द्वारा ही कोई व्यक्ति स्थायी रूप से दूसरा धर्म अपना सम्प्रदाय स्वीकार करता है। अखबार में छपने वाली ऊटपटांग खबरें साम्प्रदायिक विद्वेष को बढ़ाने वाली होती हैं।

-ओंकार नाथ कोष्टा

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दूनी में शराब दुकान का विरोध

गंगोलीहाट। दूनी क्षेत्र में शराब की दुकान खोलने के विरोध में महिलाओं ने जबर्दस्त विरोध किया है। आरोप है कि आबकारी विभाग और जिला प्रशासन फिर से अंग्रेजी शराब की दुकान खोलने की तैयारी कर रहा है। बताते चलें कि 2006 में क्षेत्र में देशी शराब की दुकान का प्रदर्शन के बाद हटा दिया गया था।

पाटकोट में भी भारी विरोध

रामनगर। पाटकोट गांव में शराब की नई दुकान खोलने के विरोध में ग्रामीण एकजुट हैं। जुलूस निकाल कर दुकान के विरोध में प्रदर्शन किया। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन ने यह निर्णय स्थानीय लोगों से सलाह के बिना लिया है। दुकान खुलने से अपराध दर में बढ़ोत्तरी होगी। इसी लिये शराब की दुकान का विरोध है और इसे नहीं खुलने दिया जाएगा।

पार्षद भी उतरे विरोध में

रुद्रपुर। भीड़भाड़ वाले इलाके इन्दिरा कॉलोनी में शरब की दुकानों का आवंटन नाराजी का कारण बन चुका है। वार्ड 34 के लोगों के साथ ही पार्षद भी शराब की दुकान के विरोध में हैं। एडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए उन्होंने कहा कि तीन वार्ड को जोड़ने वाले मुख्य सम्पर्क मार्ग पर शराब की दुकान खोलना बहुत अराजकता उत्पन्न करेगा, इसे रोका जाए।

रामनगर में युंका कूदी शराब आन्दोलन में

रामनगर। शहर के मोहान, पाटाकेट, ढिकुली, छोई एवं मालधन ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की दुकान खोले जाने के विरोध में युवक कांग्रेस के आन्दोलन पर उतर आई है। जिलाध्यक्ष सुमित लोहनी ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है। ग्रामीणों का पलायन नहीं रोका जा रहा है। ऊपर से शराब परोसने के इन्तजाम होने लगे हैं।

महिलाओं द्वारा रामलीला का मंचन

हल्द्वानी। पुनर्नवा महिला समिति द्वारा पिछली बार की तरह इस बार भी भव्य रामलीला का मंचन किया। पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच के मैदान में पूरी रामलीला का मंचन महिला पात्रों द्वारा किया गया। आयोजन की सफलता के लिये व सहयोग के लिये शहर के नेता व जागरुक जन आगे आए।

गौलापार में कालेज भवन बनेगा

हल्द्वानी। राज्य शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने महिला महाविद्यालय में बनने वाले परीक्षा भवन का शिलान्यास करने के अलावा शिक्षकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने बताया गौलापार में भी जल्द कालेज भवन निर्माण किया जायेगा। प्रदेश में 25 छात्रावास बनाए जा रहे हैं।

कालेजों में ऑनलाइन उपस्थिति का पहले दिन से ही विरोध होने लगा है

प्रचार्य के माध्यम से निदेशक को ज्ञापन

व्यवहारिक नहीं है कक्षा में सेल्फी

छात्र-छात्राएं विरोध में उतरे, फरमान को अव्यवहारिक बताया

उत्तराखण्ड के महाविद्यालयों, विश्व विद्यालयों में शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों को अपनी कक्षा में पढ़ाते हुए जीपीएस कैमरा एप से फोटो खींचकर सुरक्षित रखने, उसे समर्थ पोर्टल में अपलोड करने जैसे फरमान से उबाल है। सचिव के आदेश के बाद से प्रदेश के कालेजों में विरोध के सुर पहले ही दिन से सुनाई देने लगे थे। फरमान में कहा गया है कि जिन छात्रों की उपस्थिति 75 प्रतिशत नहीं होगी उन्हें परीक्षा में नहीं बैठने दिया जायेगा। इस प्रकार के फैसले व्यवहार में कितना लागू हो सकेंगे सब जानते हैं।

शासन-प्रशासन यदि वास्तव में उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित ही करना चाहती है तो उसे व्यवहारिकता देखनी होगी। सच्चाई तो यह है कि विद्यार्थियों का रुख इस प्रकार की पढ़ाई में कम ही हुआ है। ऊपर से कालेजों में तहत तहत के आयोजनों के नाम पर मात्र छलावा होता जा रहा है। सिर्फ फोटो खिंचवाकर यह बताया जा रहा है कि कालेज तरक्की कर रहे हैं। छात्र नशे से दूर हो रहे हैं, रक्तदान के लिये जागरूक हैं, गंगा सफाई में तनमय हैं, एनएसएस ने बहुत जागरूकता फैला दी है। धूम्रपान बन्द हो चुका है, स्वच्छता अभियान में सबकुछ ठीक है। जल सुरक्षा, बिजली बजाओ, उद्यमिता के लिये जागरूकता इतने सारे आयोजन जब होने हैं तो पठन पाठन का मूल पाठ कब होगा? यह सवाल शासन-प्रशासन को विचार करना चाहिये।

शिक्षकों ने कक्षा में पढ़ाई की फोटो अपलोड करने जैसे गैर शैक्षणिक कार्य से मुक्त रखने की बात करते हुए प्राचार्य के माध्यम से ज्ञापन सौंपा है तो दूसरी ओर छात्र-छात्राओं ने फरमान को अव्यवहारिक बताते हुए कहा कि दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थी यदि समय से कक्षा में नहीं आ पाए को वह बंचित होंगे। पहाड़ की भौगोलिक परिस्थितियों को देखना चाहिये। हल्द्वानी में बड़ी छात्र संख्या वाले एमबीपीजी में तक फरमान का असर नहीं हुआ। पहले दिन केवल 12 प्रतिशत विद्यार्थी कक्षा में पहुँचे। महिला डिग्री कालेज में 75 प्रतिशत उपस्थिति के विरोध में छात्राओं ने अपनी बात रखी। इसी प्रकार विरोध अन्य स्थानों पर हुआ है। देखना है कि मामले में आने वाले दिनों में क्या होता है।

छावनी परिषद को लेकर गुस्सा

रानीखेत। छावनी में सेना की बाड़बन्दी से परेशान नागरिकों ने प्रशासन और छावनी परिष्द को लेकर गुस्सा दिखाया है और कहा कि उच्च अदालत में अर्जी लगाई जाएगी। सेना द्वारा आए दिन मुख्य मार्ग बन्द किये जाने से पर्यटन पर सीधा असर पड़ रहा है।

बताते चलें कि वर्तमान में लोगों की नाराजगी रानीखेत-मालरोड-चौबटिया मोटर मार्ग के प्रतिबन्धित किये जाने को लेकर है। इससे पूर्व ऐसा ही रोष गोल्फ कोर्स की तारबन्दी एवं प्रवेश निषेध को लेकर दिखाई दिया। दिसम्बर 2024 में छावनी परिषद में सेना के सुझाव पर बोर्ड के फैसले के बाद रानीखेत-मालरोड-चौबटिया मोटर मार्ग में सेना प्रशिक्षण के नाम पर कुछ श्रेणी के वाहनों को प्रतिबन्धित कर दिया गया। जबकि आजादी के बाद नागरिक आजादी के लिए ऐसा प्रतिबन्ध कभी नहीं रहा। लोगों ने नागरिक बैठक आहूत कर इस गम्भीर मसले पर मंथन करना शुरू कर दिया है।

आईटीसी ग्रुप ने खरीदी सेंचुरी पेपर मिल

हल्द्वानी। लालकुआ स्थित सेंचुरी पेपर मिल को आईटीसी ग्रुप ने खरीद लिया है। फैक्ट्री बिकने से इसमें कार्यरत कर्मचारी व स्टाफ के हितों में कोई परिवर्तन नहीं होगा। हालांकि फैक्ट्री को टेकओवर होने में 6 माह का समय लगेगा। विरला ग्रुप का सेंचुरी पल्प एण्ड पेपर मिल लालकुआं पेपर उद्योग में एशिया का नम्बर एक उद्योग माना जाता है और पिछले एक वर्ष से इस उद्योग के आईटीसी को बिकने की चर्चाएं होने लगी थीं। इस चर्चा पर विराम 31 मार्च 2025 की शाम को लग गया जब आधि कारिक पुष्टि पर पता चला कि विड़ला समूह का सबसे बड़ा पेपर उद्योग सेंचुरी पेर मिल लालकुआं अब आईटीसी ग्रुप ने खरीद लिया। इस पेपर मिल में 1380 स्थाई वर्कर्स के साथ ही करीब 700 कर्मचारियों का स्टाफ स्थाई रूप से कार्यरत है। इसके अलावा करीब 3 हजार दैनिक श्रमिक विभिन्न स्रोतों के द्वारा कार्य करते हैं। प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से कुल मिलाकर दस हजार लोग पेपर मिल से सम्बन्धित विभिन्न कार्यों से जुड़े हुए हैं। मिल की यूनियन श्रमिक कल्याण संघ मानत है कि उनके हितों पर कोई दिक्कत नहीं है।

नैनीताल में बनेगी बहुमंजिला कार पार्किंग

नैनीताल। सरोवर नगरी में यातायात दबाव और लगने वाले जाम को देखते हुए शहर के मल्लीताल अशोक सिनेमा हाल क्षेत्र में बहुमंजिला कार पार्किंग निर्माण की योजना को मंजूरी मिल चुकी है। भारत सरकार ने स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट परियोजना के तहत पार्किंग परियोजना के लये 5 करोड़ रुपये के प्रस्ताव के सापेक्ष 2.86 लाख का बजट जारी कर दिया है। इस पार्किंग के बनने से शहर को जाम से छुटकारा मिलेगा और आने वाले यात्रियों को अपने वाहन पार्किंग की सुविधा होगी। साथ ही स्थानीय निवासियों को भी बहुमंजिला कार पार्किंग का लाभ होगा क्योंकि इस शहर में सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की है और इसके बनने से स्थानीय लोग भी लाभ लेंगे। वाहनों की बढ़ती संख्या के बाद नैनीताल में बहुत ज्यादा दिक्कत हुई है। ग्रीष्म सीजन में तो बुरा हाल हो जाता है।

1829 वीर शहीदों के द्वार बनेंगे

देहरादून। प्रदेश में शहीद द्वार और स्मारकों का निर्माण संस्कृति विभाग के स्थान पर सैनिक कल्याण विभाग द्वारा करने की सीएम की घोषणा के क्रम में राज्य में 1829 वीर शहीदों के द्वार अथवा स्मारक बनाने का सरकार ने संकल्प लिया है। विभाग ने 12 प्रस्तावों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है, जिसमें से 5 पर निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी बताते हैं कि अल्मोड़ा में 140, बागेश्वर में 112, चमोली में 259, चम्पावत में 60, देहरादून में 211, हरिद्वार में 15, पौड़ी में 355, नैनीताल में 110, पिथौरागढ़ में 343, रुद्रप्रयाग में 55, टिहरी में 96, उधमसिंह नगर में 60 और उत्तरकाशी में 13 शहीदों ने देश की रखा में अपने प्राणों की कुर्बानी की है। रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सेना में लगभग 17 प्रतिशत सैनिकों की पूर्ति अकेला उत्तराखण्ड करता है। अभी बन रहे स्मारकों में अल्मोड़ा में दिनेश बिष्ट, गौरी दत्त जोशी, रघुनाथ सिंह के नाम पर हैं।

ओम पर्वत यात्रा को सुगम बनाने के निर्देश

पिथौरागढ़। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री अजय टम्टा की अध्यक्षता में हुई बैठक में सड़क निर्माण से जुड़े अधिकारियों की बैठक में उन्होंने आदि कैलास, ओम पर्वत यात्रा को सुगम बनाने के निर्देश दिये। मंत्री ने बीआओ की ओर से संचालित रणनीतिक सड़कों के निर्माण में तेजी लाने पर जोर दिया। साथ ही सड़क निर्माण में पर्यावरणीय सन्तुलन बनाए रखने और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने पर बल दिया।

लोक कलाकारों का हक उन्हें मिले

देहरादून। प्रेस क्लब में मीडिया से वार्ता करते हुए लोक कलाकार संगठन ने लोक कलाकारों को उनका हक देने की मांग की। संगठन ने कहा कि संस्कृति निदेशालय उत्तराखण्ड कलाकारों का बकाया नहीं दे रहा है। बार-बार चक्कर लगाने के बाद भी कलाकार परेशान हैं। मांग की कि लोक गायकों को सूचीबद्ध करने के साथ ही इनका मानदेय बढ़ाया जाए।

परिक्रमा

विस्तारीकरण के लिये सैकड़ों नोटिस

रुद्रपुर। एयरपोर्ट के विस्तारीकरण की जद में आए परिवारों को नोटिस मिलने के बाद किच्छा के विधायक तिलकराज बेहड़ के नेतृत्व में लोगों ने डीएम कार्यालय में प्रदर्शन किया। उन्होंने उजाड़े जाने से पहले पुनर्वास किये जाने की मांग की। एयरपोर्ट विस्तारीकरण के लिये सैकड़ों लोगों को हटने का नोटिस जारी हो चुका है।

चौबटिया गार्डन पर्यटकों के लिये

देहरादून। राजकीय उद्यान चौबटिया में अब नई व्यवस्थाएं लागू होंगी। इसके तहत चौबटिया गार्डन पर्यटकों की आवाजाही के लिये सूर्योदय से सूर्यास्त तक रहेगा। इसके लिये विभागीय मंत्री गणेश जोशी ने उपनिदेशक उद्यान को निर्देश दिये हैं। बताते चलें कि चौबटिया गार्डन में पर्यटकों की आवाजाही को लेकर मीडिया के माध्यम से लगातार कहा जा रहा था। इसी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

अ.भा.रक्षा कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर विरोध जताया

जेपीएस के सरकारी विकल्प को स्वीकार न कर ओपीएस की बहाली के लिये संघर्ष तेज

देहरादून। अखिल भारतीय राजपत्रित और अराजपत्रित के साथ सिडरा द्वारा अखिल भारतीय प्रोटेस्ट प्रोग्राम के बारे में ऑटो इलेक्ट्रानिक फैक्ट्री एवं आयुध निर्माणी फैक्ट्री के साथ क्वालिटी कन्ट्रोल एसोसिएशन के पदाधिकारी की एक अहम बैठक आयुध निर्माणी स्टेट रायपुर देहरादून में हुई जिसमें यह निर्णय लिया गया कि संगठन का जो भी विरोध कार्यक्रम है उसे करेंगे। इसी निर्णय पर विरोध प्रदर्शन करते हुए जेपीएस के सरकारी विकल्प का विरोध भी किया जा रहा है।

संगठन के गिरीश चन्द्र उप्रेती बताते हैं कि कर्मचारियों की राष्ट्रीय स्तर की मांगे हैं उन उन सभी समस्याओं को मीडिया के माध्यम से फेडरेशन के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर रक्षा मंत्री, रक्षा उत्पादन सचिव के साथ ही आयुध निर्माणी बोर्ड की समस्याओं को हल करने के लिए और और अति शीघ्र निपटान के लिए यह विरोध सप्ताह मनाया गया है। वह कहते हैं कि आज की स्थिति में जहाँ डेढ़ लाख से ऊपर कर्मचारी काम करते थे आज 50-60 हजार पर टिक गई है आने वाले समय पर में कमी रहेगी और उत्पादन में भी असर पड़ेगा। ऊपर से कर्मचारियों को अपने भविष्य को लेकर चिन्ता सताए जा रही है। आने वाले समय में विकल्प फार्म कब आएंगे इस फॉर्म में क्या भरा जाएगा और विकल्प फार्म कैसे भरे जाएंगे यही ओपीएस एनपीएस और यूपीएस का है। आईएस तरह की समस्याओं का सामना करने के लिए माहासंघ हमेशए कर्मचारियों के साथ खड़ा है माहासंघ के महासचिव श्री अजय श्री अध्यक्ष जय वर्धन रेड्डी और मण्डल दादा लगातर समस्याओं को हल करने के लिए हर स्तर पर पुरजोर कोशिश कर रहे हैं।

संगठन का कहना है कि हम प्रसार भारती मॉडल पर कम करना चाहते हैं। मृतक की बात है अभी तक एचआर पॉलिसी नहीं बनी एचआर पॉलिसी के बाद विकल्प फार्म की बात है और हर प्रसार भारती मॉडल ही इस्तेमल करने की जरूरत है। प्रसार भारती मॉडल लागू हो तो अभी कर्मचारियों का रिटायरमेंट का समय सही कट जाएगा एनपीएस यूपीएस और ओपीएस के चक्कर में हमें फंसाने की बात हो रही है। हम चाहते हैं ओपीएस और ओपीएओपीएस ही मिले और ओपीएससी ही चाहिए।

अ.भा.संगठन की वर्चुअल बैठक में श्री जोशुआ, किरण कुमार, अजय जी, जय वर्धन रेड्डी, मण्डल दादा कोलकाता से उमाशंकर शर्मा फिरोज खान, राम मोहन ,धर्मेन्द्र, छवीलाल बेगा, राजेन्द्र जी प्रदीप आग्रवाल, कुलदीप कुमार, लक्ष्मी प्रसाद, प्रवीण कुमार, अनिल वर्मा, अनिल कुमार, रामचन्द्र जी, सुशील कश्यप, सुरेन्द्र तोमर, सुरेन्द्र कुमार, शंकर, धर्मेद्र, सुरेन्द्र धीमैन, विनोद पुनती, विनीत कुमार मौर्य मुख्य रूप से जुड़े रहे।

सभा को गिरीश चन्द्र उप्रेती ने कहा संगठन की बात को पुरजोर तरीके से उठाया जायेगा। इसके समर्थन में निर्माणी की सभी एसोसिएशन और यूनियनओं है। उसमें क्लर्किकल और सुपरविजन एसोसिएशन का विशेष सहयोग है। साथ ही लाल झण्डा यूनियन राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस भारतीय मजदूर संघ और बीकेएस का सहयोग लेना अति आवशयक है।

अपने विचार रखते हुए वक्ताओं ने कहा प्रसार भारतीय मॉडल लागू हो, आश्रितों को नौकरी पर रखा जाए, निर्माणी की मेन पावर को बढ़ाया जाए, एचआर पॉलिसी जल्दी तैयार हो। इन मुद्दों पर विरोध के साथ सन्देश जारी किये गये।

1 अप्रैल से 11 अप्रैल तक राष्ट्रीय कार्यकारिणी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय वर्धन रेड्डी, राष्ट्रीय सचिव अजय जी, संरक्षक सुरेश सचान और संयुक्त सचिव मण्डल दादा के निर्देशन में यूनिट स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम किये गये। इसके लिये द्वारा 27 मार्च को वर्चुअल बैठक में पहले ही यह निर्णय लिया लिया जा चुका था। संगठन के जुझारू साथियों ने विरोध में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और निर्माणी के अन्दर सभी संगठन सभी यूनियनों का सहयोग भी मिलता रहा।

संगठन की मुख्य मांग है कि डीम डेपुटेशन वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत तक डीम डेपुटेशन में रखा जाए इसके लिए सरकार नोटिफिकेशन जारी करें दूसरा एन पी एस, यू पी एस का चक्कर छोड़कर सीधे ओ पी एस में ओ पी एस दिया जाए। जो आदमी के बुढ़ापे का सहारा है। आयुध निर्माणी की हालत पहले जैसी नहीं रही, कल क्या होगा यह पता नही है।

चौसला में जमीन का खेल, जाँच

हल्द्वानी। शहर से 15 किमी दूर चौसला गाँव में समुदाय विशेष के लोगों को पाँच दर्जन से ज्यादा प्लाट बिक्री और तहसील हल्द्वानी में इसके खिलाफ जबर्दस्त प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन ने जमीन खरीद फरोख्त पर रोक लगाई है। डेमोग्राफी चेंज के मामले में अवैध प्लाटिंग की रिपोर्ट रेरा सचिव को भेजी है। जाँच के इस क्रम में चौसला में बन्द पड़ी फैक्ट्री की छानबीन भी होनी है। इस मामले में मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने पहले ही आवाज उठा चुके हैं। चौसला के ग्रामीणों ने विधायक बंशीधर भगत को जाकर भी मामले के बारे में बताया।

मल्ला जोहार विकास समिति की आमसभा

माइग्रेशन परिवारों को सुविधा मिले

मुनस्यारी। ज्योति देवेन्द्र रावत मिलन केन्द्र में मल्ला जोहार विकास समिति की आम सभा में माइग्रेशन परिवारों को सुविधा दिये जाने की मांग की गई।

आमसभा में माइग्रेशन परिवार के लोग और तहसील स्तर के अधिकारियों की उपस्थिति में चर्चा हुई। श्रीराम सिंह धर्मशक्तू की अध्यक्षता में हुई बैठक में खाद्यान्न सम्बन्धी बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए समय से पहले बुर्फू गोदाम में खाद्यान्न स्टाक करने की अपील की गई। कहा कि समय पूर्व माइग्रेशन परिवार के लोगों को खाद्यान्न सामग्री वितरित ह्ये, राशन कार्ड ऑनलाइन प्रकिया अतिशीघ्र पूरी हो, खाद्यान्न सामग्री को बोगडियार में डम्पिंग न रखा जाए। जिन व्यक्तियों को 2024 में खाद्यान्न सामग्री नहीं दी गई थी उस पर चर्चा करते करते हुए खाद्य निरीक्षक साथी सैल्समैन ने सभा को बताया कि खाद्यान्न सामग्री मुनस्यारी आने के बाद ऐसे लोगों को वितरित कर दी जाएगी।

बैठक में संचार व्यवस्था पर चर्चा में सेटेलाइट फोन की वैकल्पिक व्यवस्था को कहा गया। बताया गया कि मल्ला जोहार क्षेत्र में बीएसएनएल और जियो कम्पनी द्वारा संचार व्यवस्था हेतु टावर का निर्माण किया जायेगा। यह कार्य मर्तोली, रिलकोट, बुर्फू आदिं गाँवों में होना है।

सिंचाई विभाग को अवगत कराया गया कि माइग्रेशन गाँव के अन्तर्गत जहाँ पर सिंचाई की व्यवस्था हो सकती है उसके लिये प्रदेश सरकार को प्रस्ताव भेजा जाए ताकि सिंचाई व्यवस्था होने से माइग्रेशन गाँव साग खब्जी जड़ीबूटी की खेती को बढ़ा सकें। बैठक में रिलकोट और बिल्जू गाँव को गोरी नदी और बिल्जू नदी के कटाव से हो रहे खतरे के बारे में चर्चा हुई। इसके लिये चेकडैम निर्माण हेतु सिंचाई विभाग से कहा। इसका प्रस्ताव भी शासन को भेजने की बात कही गई। पशु चिकित्सा सम्बन्धी चर्चा में बाकर वालों को सरकार द्वारा सुविधा उपचार एवं लीलम गाँव में भेड़ बकरियों के अलावा अन्य जानवरों की जनगणना करते हुए कहा गया। पशुपालन विभाग से रेनकोट, जूटते, टॉर्च लाइट अन्य सामग्री वितरित किये जाने पर बात हुई।

स्वास्थ्य विषय पर चर्चा में बुर्फु में एएनएम की नियुक्ति का आश्वासन दिया गया। माइग्रेशन अवधि में मेडिकल ऑफिसर सामूहिक हेल्थ सेन्टर मुनस्यारी ने किसी भी प्रकार की कठिनाई न होने देने का आश्वासन दिया। सौर ऊर्जा, जल विद्युत परियोजना विभाग, उद्यान, जलनिगम के अधिकारी बैठक में नहीं थे जिसकी शिकायकत डीएम को करने की बात कही गई। लोनिवि ने अवगत कराया कि पैदल मार्ग जल्द ही दुरुस्त कर दिये जाएंगे। सभा का संचालन लोकबहादुर सिंह जंगपांगी ने किया।

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत
7351285555

कपूर एण्ड संस
संजय कलोनी, मुखानी हल्द्वानी
कपूर इण्टरप्राईजेज
निकट मंगलम बैंकट हॉल, देवलचौड़
रामपुर रोड, कैंची धाम मार्ग हल्द्वानी
9997712279 9837824462

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड,
दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान)
मो.- 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न.
8958525979,
9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
फोन सम्पर्क-
05961-222236
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

जोहार शौका केन्द्रीय समिति की बैठक

समाज के लिये कुछ करने की छटपटाहट जरूरी है

हल्द्वानी। जोहार शौका केन्द्रीय समिति की वार्षिक बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन करने के साथ ही शौका समाज के वर्तमान और भविष्य पर मंथन किया गया। उपस्थित बुद्धिजीवियों की उपस्थिति से अनुभव किया जा सकता है कि समाज के लिये कुछ करने की छटपटाहट जरूरी है अन्यथा अपसंस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

समिति की वार्षिक बैठक के अलावा अन्य स्थानों से लोग ऑनलाइन भी जुड़े रहे। इसमें समिति के उद्देश्यों के आलावा जोहार मुनस्यारी व शौका समाज को लेकर लम्बी चर्चा हुई।

चुनाव अधिकारी प्रेम सिंह जंगपांगी की देखेख में समिति की नई कार्यकारिणी के लिये हुए चुनाव में सर्वसम्मत्ति से नरेन्द्र सिंह जंगपांगी को अध्यक्ष व कैलाश सिंह धर्मशक्तू को महासचिव चुना गया। चुनाव में खड़क सिंह रावत, नवीन टोलिया, नवराज सिंह पांगती, पद्मन्ती धर्मशक्तू को उपाध्यक्ष, हेमन्त सिंह मर्तोलिया व भगत सिंह मर्तोलिया को संयुक्त सचिव, भगवान सिंह बुर्फाल को कोषाध्यक्ष, जसवन्त सिंह जंगपांगी को सह कोषाध्यक्ष अधिवक्ता ईश्वर सिंह पांगती को ऑडिटर चुना गया। इसके अलावा 21 सदस्य नामित किये गये। बैठक में संरक्षक व भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधि कारी सुरेन्द्र सिंह पांगती, आईएफएस डा. भगत सिंह बरफाल, डॉ. गोविन्द सिंह जंगपांगी, राजेन्द्र सिंह पांगती, समिति के निवर्तमान अध्यक्ष यतेन्द्र सिंह पांगती मौजूद थे।

उत्तराखण्ड में भी नाम परिवर्तन का अभियान शुरू

विरोध के कारण ताज चौक का नाम नहीं बदल सका

देहरादून/हल्द्वानी। उत्तराखण्ड में भी नाम परिवर्तन का अभियान शुरू हो चुका है। सीएम पुष्कर धामी इसे जनभावनाओं के अनुरूप व भारतीय संस्कृति, विरासत के अनुरूप बता रहे हैं जबकि हल्द्वानी का ताज चारौहा का नाम विरोध कराण से नहीं बदल सका। इसके लिये पूर्व मेयर डॉ.जोगेन्दर रौतेला ने घोषणा का इसका नाम तिरंगा चौराहा करने की बात कही थी। जबकि नये मेयर गजराज ने एपीजे अब्दुल कलाम चौक केनाम से इसका अनावरण करना था। बताते चलें कि सीएम धामी ने चार जनपदों के 17 स्थानों के नामों परिवर्तन की घोषणा की। माना जा रहा है कि अब यह संख्या और भी बढ़ेगी। अब हल्द्वानी में नवाबी रोड को अटल मार्ग, पनचक्की आईटीआई मार्ग का गुरु गोवलकर मार्ग, उधमसिंह नगर में नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी का नया नाम कौशल्यापुरी, देहरादून में मियांवाला अब रामजीवाला, पीरवाला अब केसरी नगर, गाजीवाली का नाम आर्य नगर, चांदपुर खुर्द का नाम पृथ्वीराज नगर, अब्दुल्लापुर को दक्ष नगर, मोहम्मपुर वट का नाम मोहनपुर वट, खानपुर कुम्ली को अम्बेडकर नगर, इदरीशपुर को नन्दपुर, खानपुर को श्रीकृष्णपुर, अकबरपुर फजलपुर को विजयनगर, आसफ नगर को देवनारायण नगर और सलेमपुर राजपुताना का नाम अब शूरसेन नाम से जाना जायेगा।

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
मो.– 9458920379, 6396098804
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

'सिद्धार्थी' नाम नवम्वंत्सर,
विक्रमी 2082
की
हार्दिक शुभकानाओं
के साथ-
माँ काली
ज्वैलर्स
रमेश लाल वर्मा
(गुड्डू)
दन्या (अल्मोड़ा)

सुरेन्द्र सिंह
पंचपाल
जोहार कलोनी, पुलिस लाइन
पिथौरागढ़

JIGYASA
TRAVEL AND
TOUR
Adi Kailash Om Parvat Yatra
BOOKING OPEN
7078996622, 7217299622

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)